राजस्व विमाग

यद जागीर

दिनांक 27 प्रक्तूबर, 1994

कमांक 5196-ज-2-94/22256. —श्री रत्न लाल, पुत्र श्री भासे राम निवासी गांव सुन्दरपुर, तहसील रोहसक, जिला रोहतक को पूर्व पंजाव पुत्र पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के प्रधीन सरकार की ध्रिप्तसूचना कमांक 2718-ज-II-73/35903 दिनांक 29 नवम्बर, 1973 द्वारा 100 रुपये वार्षिक ग्रौर बाद में प्रधिसूचना कमांक 5041-आर-III-70/29503, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक ग्रौर उसके वाद ग्रधिसूचना कमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 प्रकृत्वर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की ग्रिप्तसूचना कमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 ग्रगस्त, 1993 द्वारा रवी, 1993 से 1000 रुपय वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. श्रव श्री रत्न लाल की दिनांक 30 जनवरी, 1994 की हुई मृत्यू के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त श्रिष्टित्यम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपताथा गया है श्रीर उसमें श्राण सक संशोधन किया गया है) की घारा 4 के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री रत्न लाल की विधवा श्रीमती दान कौर के नाम रबी, 1994 से 1,000 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तगंत तबदील करते हैं।

कर्मांक 5270-ज-2-94|22260.--श्री रामजी द।स,पुत श्री फकीर चन्द, निवासी गांव पंचल।सा,तहसील नारायण-गढ़ जिला ग्रम्बाला को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार मिलियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के मधीन सरकार की श्रिष्ठसूचना क्रमांक 217-ज-[-77|7595, दिनांक 24 मार्च, 1977 द्वारा 100 रुपये वादिक और वाद में श्रिष्ठसूचना क्रमांक 5041-श्राप्र-11[-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये व विक और उसके बाद श्रिष्ठसूचमा कर्माक 1789-ज-1-79|44040, दिनांक 30 भवतूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बद्दाकर 300 रुपये वादिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. प्रज श्री रामजी दास की दिलांक 6 फरवरी, 1988 को हुई मृत्यु के परिणान स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त प्रधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रयनामा गया है भीर उसमें माज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के श्रधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री रामजी दास की विधवा श्रीमती शान्ति देवी के नाम खरीफ, 1988 मे 300 रुपये वार्षिक की दर से तथा रजी, 1993 से 1,000 रूपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्ती के मन्तर्गन नवदील करते हैं।

विनांक 2 नवस्वर, 1994

कमांक 5207-9-11-94/22531 श्री रण सिहं पुत श्री गोरधन निवासी गांव कथ्रा तहसील गोहाना जिमा सोनीपत को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रधिनियम, 1948 की धारा 2(v) (ए) तथा 3(1v) के श्रधीन सरकार की श्रधीसूचना कमांक 829-9-11-77/15121, दिनांक 16 जून, 1977 द्वारा 150 रुपए वार्षिक श्रीर उसके बाद श्रधिसूचना कमांक 1789-9-1-79/-44040, दिनांक 30 श्रक्तुबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300/-20ए वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री रण सिंह उर्फ धीसा की दिनांक 9 फरवरी, 1992 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाथा गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री रण सिंह उर्फ धीसा की विधवा श्रीमित खजानी के नाम खरीफ 1992 से 300 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1993 से 1000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों को अन्तर्गत तबदील करते हैं।